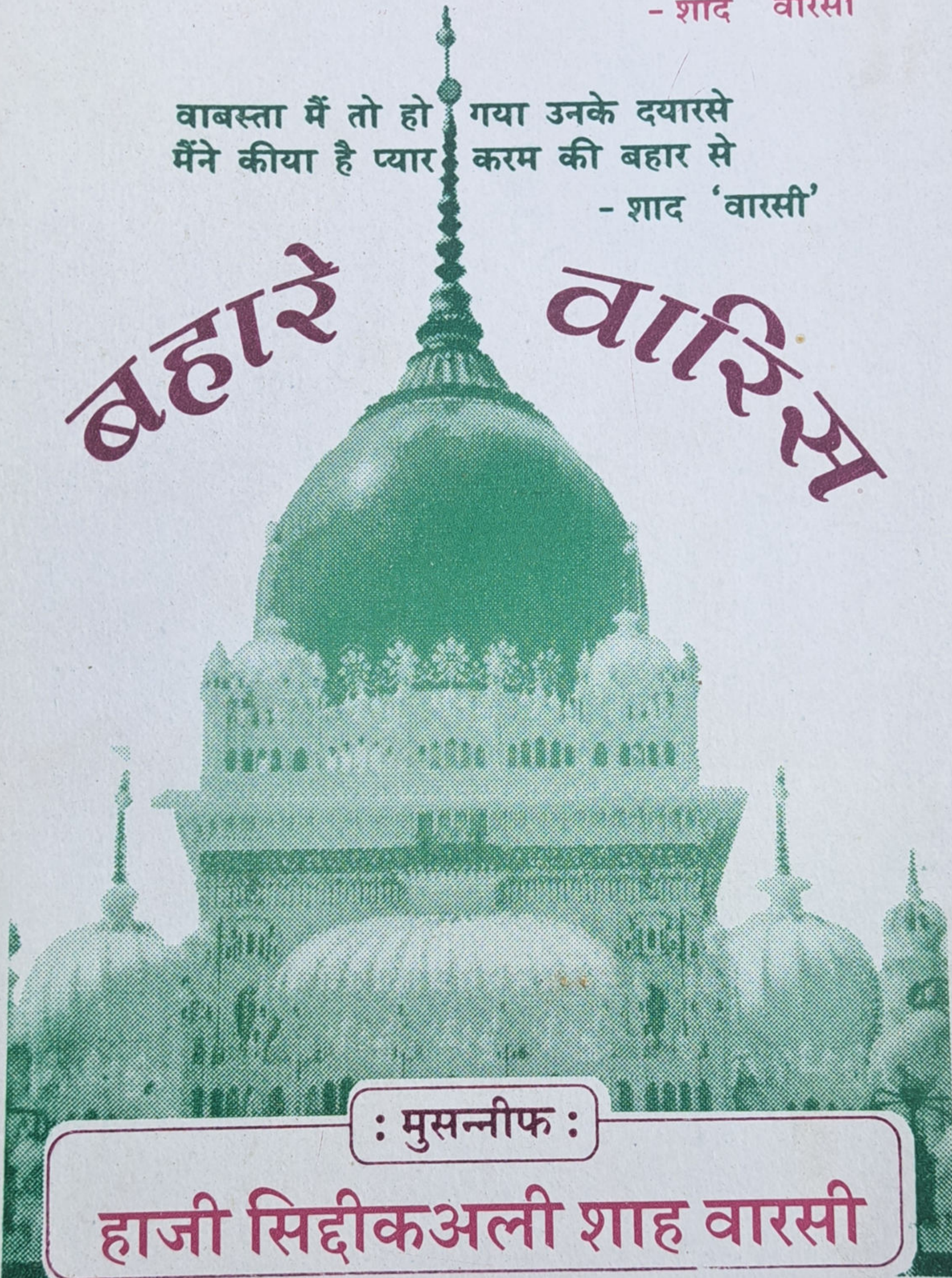
मेरे सरकार का ईस्मे गीरामी ईस्मे आजम है
जो चाहे विर्द करके देखले ऐ 'शाद' ''या वारिस''

- शाद 'वारसी'

वाबस्ता मैं तो हो गया उनके दयारसे
मैंने कीया है प्यार करम की बहार से

- शाद 'वारसी'

बहारे वारिस



: मुसन्नीफ :

हाजी सिद्दीकअली शाह वारसी

मेरे सरकार का ईस्मे गीरामी ईस्मे आज़म है
जो चाहे विर्द करके देखले ऐ 'शाद' ''या वारिस''
- ''शाद'' वारसी

वा बस्ता मैं तो हो गया उनके दयारसे
मैंने कीया हे प्यार करम की बहार से
- ''शाद'' वारसी

बहारे वारिस

: मुसन्नीफ :

अलहाज़ सिद्दीकअली शाह ''वारसी'' पेटलादी
(खाक पाए सगाने कूए हज़रत वारिसपाक आज़म अल्लाह ज़ीक्ररहु)
(दरगाह शरीफ हज़रत हाजी अलीहैदर शाह वारसी कुद्दुसुर्रहु)
वारसी रोड, पेटलाद शरीफ (गुजरात)
(बानीए दहगाह शरीफ हाजी अली हैदरशाह वारसी कुद्दुसुर्रहु पेटलाद)

नाम मजमुआ	:	बहारे वारिस
नाम मुसन्नीफ	:	हाजी सिद्दीकअली शाह ''वारसी''
मतबआ प्रेस	:	प्राईम प्रिन्टर्स, धर्मज.
सनए ईशाअत	:	२०१४
तआदाद	:	५०० कोपी हदीया :-

: मीलने का पता :

दरगाह शरीफ हज़रत हाजी अलीहैदर शाह वारसी कुद्दुसुर्रहु,
वारसी रोड, पेटलाद शरीफ
और
मद्रस-ए-वारसीया, वारसी महोल्ला पेटलाद (गुजरात)

शाये कर्दा : लीयाकतहुसैन ''वारसी''

पेश लफज

अस्सलामो अलयकुम

हमारे रेहबर किब्ला हाजी सीद्दीकअली शाह वारसी साहबका पेश लफज़ लिख रहा हुं.

सन १९८३ से आपकी खिदमतमें आने के बाद आज भी आपकी खिदमत में हुं. मैंने देखा किब्ला आली जनाब सरकार वारिस पाक के ला-जबाव एहराम पोश फकीर है. सरकार वारिस पाक के लाखों फकीर हुवे और लाखों फकीर है मगर आपका मामला अलग देखा. सरकार वारिस पाकने आपको सब फकीरों से हटकर एक अलग तरीके से नवाज़ा हय. जिनको सब कुछ आता है. हर एक काम में आपको महारत हांसिल है. रुहानी शक्ति से भरपुर है, जब भी आपके सामने जाना होता है हिम्मत जुटानी पडती है. कदम कदम पर डर डर के रेहना पडता है, कि कहीं कोई गलती न हो जाए. आपके घरवालों के कुर्बान जाउं आपकी खिदमत में आपका पुरा घर लगा रेहता है और आपसे फैज़ हासिल करता है.

मैंने देखा बडे बडे मिनिस्टर, ओफिसर, डॉक्टर, कलेक्टर, फौज़ी, पोलीस डिपार्टमेन्ट, बडा छोटा कोई भी आदमी जब आपके सामने आता है तो अदब में होता है.

आपके पास छोटे बडे का फर्क नहीं है, जो भी आपसे जितना ज्यादा मोहब्बत करता है, आपके दिलके पास होता है. आपके पास होता है. आपके पास परेशान ईन्सान दुर दुर से बडी तादात में आते रेहते है. सबकी परेशानी दुर हो जाती है. दुनियाकी तकलीफ, सामाजीक तकलीफ, बीमारी की तकलीफ, रुहानी

तकलीफ के लोग बडी तादातमें रोज आते है और उनकी परेशानी दुर होती है और वो खुश होकर जाते है.

किब्ला हाजी सिद्दीकअली शाह वारसी साहबने अपने कीब्लओ काबा हज़रत मज़हर अली शाह "शाद" वारसी की कई साल खिदमत की और आजतक कर रहे है और आपही के ज़रिये दाखिले सिल सिल-ए-वारसीया (सन १९५९) हुवे. बाद १३ अगस्त १९७१ ई.स. में जरिये हाजी अली हैदर शाह वारसी कुदुसुर्रहुसे सरकार वारीस पाक के ला-जवाब एहराम पोश हुवे. किब्ला हाजी अली हैदर शाह वारसी का आलीशान मजार शरीफ की तामीर आपने की और मेहमानों के लिये ४० से उपर कमरे बनवाए. कमरों के आगे बरामदे का काम देवा शरीफ जैसा शुरु है. मस्जीदका भी बुनियाद पडा हुवा है. मद्रस-ए-वारसिया पेटलाद शरीफके अलावा आपकी निगरानीमें सात मद्रसे और चलते हैं.

किब्ला हाजी सीद्दीक अली शाह बाबा के साथ पुरे हिन्दुस्तान का सफर किया हुं. आपने सबको दीन और मोहब्बत का पैगाम दिया है. आपके हस्ते हक्क परस्त पर हज़ारों लोग सिलसिलाए वारसीयामें दाखील हुवे. आपके चाहने वाले-व-मोहब्बत करनेवालों की-व-आपसे बैत होनेवालों की तादाद हजारों के उपर हय. सरकार वारिस पाक का फैज़ आपसे जारी रेहता है.

किब्ला हाजी सीद्दीक अली शाह बाबाने मेरे सामने दो हज और एक उमरा किये. खानए काबा के सामने बैठकर आपने कई एक हम्दे पाक लिखे. मदीना शरीफ हुझुर स.अ.व. के जाली मुबारक के सामने बैठकर गुम्बदे खज़रा के सामने बैठकर नात

पाक स.अ.व. लिखे जो बहुत ही मकबूल है. बगदाद शरीफ गए तो गौस पाक की शानमें मन्कबत लिखे. करबला शरीफ गए तो ईमाम हुसैन अलयहीसल्लाम पर बहुत तादाद में कलाम लिखे. नजफ शरीफ गए तो मौला अली करम अल्लाहु वज्हुल करीम की शान में कलाम लिख्खे. देवा शरीफ तो पेटलाद शरीफ से घडी घडी जाया करते हैं और सरकार वारीस पाककी मोहब्बत में बहुत कलाम लिख्खे हैं.

किब्ला हाजी सीद्दीक अली शाह वारसी के साथ मुशायरे की महफिल में कंई बार जाना हुवा. आपकी हाजरी से मुशायरे की महेफिल में चार चांद लग चाते हैं, और सभी शायर हज़रात आपकी बहुत ही ईज़्ज़त-व-एहतराम करते हैं. आपके साथ कंई बार मेहफिले मिलाद शरीफ के मेहफिल में हाजरी का सर्फ हांसिल हुवा है. मेहफिले मिलाद शरीफ से आपका लगाव-व-मोहब्बत बहुत ज्यादा है. हर महिने मिलाद शरीफका प्रोग्राम होता है, और ईदे मिलादुन्नबीके महिने में बारह दिन रोज ज़ोहर के बाद-व-ईशां के बाद मेहफिले मिलाद शरीफ का प्रोग्राम होता है और आप पर एक अजीब कैफीयत तारी रेहती है और नात शरीफ लिखते रेहते है. जब मोहर्रम शरीफका महिना आता है तो आपकी एक अजीब हालत रहेती है और दस दिन तक मजलिसे आका हुसैन अलयही-स्सल्लाम का प्रोग्राम करते रेहते है. जो एक दिन में छ (६) बार प्रोग्राम होता है और हर साल आका हुसैन अलयहीस्सल्लाम की मोहब्बत में कंई तादातमें शहीदी कलाम लिखते हैं.

किब्ला हाजी सीद्दीक अली शाह बाबा के साथ हजारों बार मेहफिले शमामें हाजरी हुई है. हिन्दुस्तान के बडे बडे कव्वाल

आपके सामने कव्वाली गानेसे गभराते हय की किब्ला बैठे हय. कहीं कोई गलती न हो जाए. किब्ला हाजी सीद्दीक अली शाह वारसी सरकार वारिस पाक के ला-जवाब फकीर है. ऐसा फकीर मैंने नहीं देखा जो जाहीरी बातीनी सब कुछ जानता हो. किब्ला के हाथों से हमें यानी हाजी तबीबशाह वारसी को सरकार वारिस पाक का एहराम सन ई.स. २००० में अता हुवा.

आप मोहब्बत के ताजदार हैं ईन्सान दोस्ती को भी कौमी एकता पेशवा है, आपका मकाम बुलंद है. आपको ये बुलंदी का शर्फ आपकी मां की दुवाओं का असर है. अपनी वालिदा माजीदा से बहुत मोहब्बत करते थे. आपकी वालिदा माजीदा जब परदा कर गई जो एक अल्लाह वाली थीं तो अपनी वालिदा माजीदा की यादमें कलाम लिख्खे जो ''माँ'' का कलाम के नामसे लिख्खे. जो बहुत मकबूल है. जो ''माँ'' का कलाम केहलाता है.

आपकी जीन्दगी कुरआन हदीस के मुताल्लीक है. आपका हुस्ने ईखलाक ला-जवाब है. आपको मैंने हमेंशां मोहब्बत के समंदर में तैरता हुवा देखा है. और शायरी की दुनियामें बे-मिसाल है. नाते पाक, ग़ज़ल, नज़्म, कता, रुबाई, मनकबत आपके ये कलाम बडे धूम से पडे जाते है और लोग बडी मोहब्बतसे आपके कलाम का लुत्फ उठाते है, जो घंटो तक पडा जाता है

आपका पहेला किताब सन ई.स. १९९० ''यादे हुसैन'' के नाम से शाया हुवा है और दुसरी किताब ''जश्ने विलादत'' ''जन्नत की सनद'' ई.स. २०१२ में शाया हुवा है. चोथी किताब सन ई.स. २०१३ में ''करम की बहार'' मनकबत की किताब सन ई.स. २०१४ में दो दो किताबे, ''ईश्के हुसैन'' और ''मदीने की बहार'' शाया हुआ । सन ई.स. २०१४ में ''बहारे वारिस''

शाया हो रही है.

सरकार वारिस पाक कुबूल फरमाए ये ही दिल की तमन्ना है. आपके ईस मनकबत ''बहारे वारिस'' के एक कलाम का यह शेर हमें बहुत पसंद है.

''कहती है झमीं केहता है गगन
मेरे वारिस हे अनमोल रतन''

मेरे वारिस के जैसा कोई नहीं

में तो ईश्के वारिस में जवान हुई
कहाँ बीत गया मेरा बचपन
मेरे वारिस के जैसा कोई नहीं

हाजी तबीबशाह वारसी
(डॉ. ए. एस. वारसी)

फेहरीश्त

फेहरीश्त

मनकबत

वारीसे पाक आज़म अल्लाहो ज़ीकरहु

कैसे कदम बढ़ाउं मैं अग्यार की तरफ
जब दिल लीये जाता है दरे यार की तरफ

सबकी निगाहें देखो जमी है मेरी तरफ
मेरी नज़र तो है मेरे सरकार की तरफ

हाथों पे हाथ रख के तु बैठा है कीस लीये
दुनिया तो दौडी जाये दरे यार की तरफ

सबसे हसीन फूल तो सरकार आप हैं
अब क्या नज़र उठे मेरी गुलज़ार की तरफ

पल भरमें खो गया है वो अपने हवासो होश
देखा है जीस्ने चेहर ए अनवार की तरफ

सारी खुदाई तेरी तरफ शेख है तो क्या
बस एक खुदा है देख मेरे यार की तरफ

परवाज़ कर ना जाये कहीं रुह जीस्म से
सरकार अब तो देखीये बीमार की तरफ

जब ''वारसी'' को अपने अपना बना लीया
जाये वो कीस लीये भला अग्यार की तरफ

मनकबत

वारीसे पाक

शबीने देख तेरी हाये क्या आलम दिखाया है
के दिवाने को फीरसे देख दिवाना बनाया है

तुम्हारी यादने दिलबल ये जाने क्या मचाया है
कभी मुझको हंसाया हे कभी मुझको रुलाया है

मुकद्दर जब भी तेरे दरपे आके आजमाया है
मुरादों से भरा दामन वहीं पे हमने पाया है

हकीकत क्या कहुं तुमको मैं यारो बज़्मे जानां की
कभी परदा उठाया है कभी परदा गीराया है

अगर थी दुश्मनी मुझसे तो मुझको ही मीटा देती
अकेला आशीयाना बर्क तुने क्युं जलाया है

झुकाई हमने वैसे तो कंई दरपे जबीं अपनी
तेरे दरपे मजा तो और ही कुछ हमने पाया है

सुकुं आया ना हमको और ना आंसु ही रुके अपने
कीसी की यादने आठों पहर हमको रुलाया है

मैं क्युं गभराउं रंजो गममें जब तेरा सहारा है
हर एक मुश्कील में तेरा नाम मेरे काम आया है

चलो अय ''वारसी'' उस दरपे ही अब सजदा रेज़ी हो
जहाँ हर कौम के लोगोंने अपना सर झुकाया है

मनकबत
वारीसे पाक

सरबसर सुरते कुरआन नज़र आता है
मेरा वारीस मेरा ईमान नज़र आता है

सारी दुनियाँ के शहेनशाहों की क्या बात करे
मेरा वारीस बडा सुल्तान नज़र आता है

अपनी आंखो से यहां आके जरा देखो तो
दीनो मील्लत की येही जान नज़र आता है

अब ज़रूरत है कहाँ दोनों जहाँ की मुजको
मेरा वारीस मेरा अरमान नज़र आता है

शाहे वारीस की मेरे शान नीराली देखी
ब्रहेमन शेख भी कुरबान नज़र आता है

उनको देखो तो मेरे दिलने पुकारा देखो
पंजतन पाक की वो शान नज़र आता है

अपने मंगता को ज़रूरत से ज़ीयादा देकर
सखी घरानेकी पहेचान नज़र आता है

ज़िन्दगी ''वारसी'' कटती है मजे से तेरी
शाहे वारीस का ये एहसान नज़र आता है

मनकबत
वारीसे पाक

जल्वए हुस्ने यार क्या केहना
ये चमन की बहार क्या केहना

तुम खुदा और नबी के प्यारे हो
ये मेरा ऐतबार क्या केहना

सारी दुनिया को छोड बैठा हुं
मेरे वारीस का प्यार क्या केहना

नाव भंवर ही में फंसने वाली थी
करदी कश्ती को पार क्या केहना

शाहे वारीस की ज़ाते आली पे
सब के हैं दिल निसार क्या केहना

जन्नती चाहें जीस्को कर देंगे
उनको सब ईखतीयार क्या केहना

पीर के वास्ते हमेशां से
दिल रहा बेकरार क्या केहना

ईश्क ये प्यार महोबत में
आंख है अश्कबार क्या केहना

वारीसी आयेंगे तेरे ''वारसी''
उनका हे ईन्तजार क्या केहना

मनकबत
वारीसे पाक

वारीस तेरी चौखट पे हम सब का गुज़ारा है
एक तेरे सिवा वारीस अब कौन हमारा है

कश्ती ये भंवर में है ओर दुर कीनारा है
ईमदाद करो वारीस अब तुमको पुकारा है

काबा हो मदीना हो क्लीयर हो के संजर हो
ऐसा मुजे लगता हे देवे का नज़ारा है

क्या कोई बीगाडेगा क्या कोई मिटाएगा
जब मेरे मुकद्दर को वारीसने संवारा है

में देख चुका वारीस दुनिया की मोहब्बत को
अब जानो मेरे दिल से वारीस तुही प्यारा है

कोई भी मुझे अपना अब कर नहीं सकता है
ये "वारसी" अब वारीस हर वक्त तुम्हारा है

मनकबत
वारीसे पाक

आपकी महोब्बत में हर सीतम गवारा हे
आप ईतना केह दीजे ये गदा हमारा हे

मुश्कीलों की बोछारें हर तरफ से होती हे
मुश्कीलोंसे गभराकर आपको पुकारा हे

मुश्कीलें हुई आसां आपके सहारे से
हमने मुश्कीलो में जब आपको पुकारा हे

ऐसो ईशरते दुनियाँ क्या करेंगे हम लेकर
आपही का गम हमको दो जहाँ से प्यारा हे

डाल दीजीये वारीस झोली मेरी खाली हे
आपकी निगाहों का जो भी कुछ उतारा हे

दर बदर फिराते हो कीस लीये मुझे वारीस
आपही के कदमों में जब मेरा गुज़ारा हे

आपके ईशारे पर जान मेरी जाएगी
आपका ईशारा तो ज़िन्दगी से प्यारा हे

राह हम भटक जायें ये तो हो नहीं सकता
केहते हें जीसे वारीस रेहनुमा हमारा हे

आपही की सुरत के हम हुवे हें दिवाने
आपही की सुरत तो हश्र का सहारा हे

अपनी दास्ताने गम अब कीसे सुनायें हम
आप के सिवा वारीस कौन अब हमारा हे

कीजीये करम ईस पर या मेरे शहे 'वारीस'
वो बुरा हे या अच्छा ''वारसी'' तुम्हारा हे

मनकबत
वारीसे पाक

मेरे दिलमें है बस अरमाने वारीस
के हो जाये जां मेरी कुरबाने वारीस

हजारों चमन तो नज़रसे हैं गुजरे
जुदा सबसे देखा शबीस्ताने वारीस

अगर पढ सको तो पढहो ईसको हज़रत
के चेहरा है वारीस का कुरआने वारीस

बताता हुं तुमको अमल ईसपे करना
मोहब्बत करो है ये फरमाने वारीस

मेरी ज़ीन्दगी है उसी के करम से
में भुलुंगा कैसे ये एहसाने वारीस

नहीं रोक सकता ईन्हें कोई रहगीज़
चले आ रहे हैं वो दिवाने वारीस

कनारे पे हम भी तो बैठे हुवे हैं
कभी तो उठेगा वो तुफाने वारीस

ज़रो माल अबतो नहीं पास मेरे
जीगर जान और दिल हैं कुरबाने वारीस

जरा "वारसी" अपने मुंहसे तो केहदो
में कुरबाने वारीस में कुरबाने वारीस

मनकबत
वारीसे पाक

करम का ये समन्दर है के वारीस ईब्ने हैदर है
ये ज़ोहरा का दुलारा है नवासा ए पयम्बर है

तुं अपनी झोली फैलादे यहां मिल जायेगा सब कुछ
जो चाहे मांगले ईनसे सखी दाता का ये दर है

यहां बीन मांगे मीलता है ईन्हें केहना नहीं कुछ भी
ईन्हें मालुम है सब कुछ जो तेरे दिल के अंदर है

तुम्हें आयेगा ऐसा लुत्फ तैबाकी बहारों का
ज़रा देवे को देख आवो मदीने का ये मन्ज़र है

चलो अब आशीको जायें शहे वारीस की चौखट पे
ये देवे में अलीका लाडला ज़ेहरा का दिलबर है

अताये वारीसे आलम पनाह पे नाज़ करते है
शहे वारीस का चर्चा अब जहाँ में देखो घरघर है

हसीं मेरी नज़र में अब नहीं आता कोई देखो
मेरा वारीस जहां में देखीये माहे मुनव्वर है

मुझे ना खौफ दुनियाँ का ना ग़म है रोज़े मेहशर का
मेरा मुश्कील कुशा अय "वारसी" आले पयम्बर हे

मनकबत
वारीसे पाक

जबसे वारीस से मुझे प्यार है
तब से ये दिल मेरा बेकरार है

देवा नगर में तो जाउंगी मनकी मुरादें वहाँ पाउंगी
देहली पे सरको मैं झुकाउंगी खाली वहाँ से मैं ना आउंगी
मेरे वारीस का ये ईकरार हे...जबसे वारीस से

जुठा ये सारा ज़माना है, मुफत में जान गंवाना है
तेरा ही दर एक ठीकाना है, ईसी चौखट पे मर जाना है
मेरा यही पे है संसार...जबसे वारीस से

आवो रे सखीयो जल्दी आवो रे, मुझको दुल्हनीया बनावो रे
प्यार के गीत गा सुनावो रे, खुशीयों के तुम ढोल बजावो रे
वारीस के अंगना में बहार है...जबसे वारीस से

टुटे दिलोंका तुं सहारा है, ईसी लीये तो बस पुकारा है
दुनियाँ में अब कौन हमारा है, मेरी कस्ती का तु कनारा है
तेरा ही बस एतबार है...जब से वारीस से

''वारसी'' कैसी तेरी प्रीत है, हार में भी तेरी अब जीत है
दुश्मने जांही तेरा मीत है, प्यार की ऐसी उल्टी रीत है
उसी काफीर पे दिल निसार है...जब से वारीस से

मनकबत
सरकार वारीसे पाक

मुझपे एहसान वारीस जो कर जायेंगे
मेरी कीस्मत के दीन भी संवर जायेंगे

एक सहारा ही दर तेरा है आखरी
तेरे दर से हम उठकर कीधर जायेंगे

हम भरोसे पे तेरे हैं बैठे हुवे
तेरी चौखट से झोली को भर जायेंगे

मेरे वारीस है तुमसे मेरी ज़ीन्दगी
तुमसे बीछडे तो बे मौत मर जायेंगे

हर तरफ तुही तुं हमको आये नज़र
हम जहाँ जायेंगे हम जीधर जायेंगे

ज़ीन्दगी में जो सजदे हुवे हैं कज़ा
वो अदा तेरी चौखट पे कर जायेंगे

"वारसी" तेरी वारीस से निस्बत है जब
ये बुरे दीन भी तेरे गुज़र जायेंगे

मनकबत
वारीसे पाक

मैं तो मनकी मुरादे पाउं - अपने वारीस के रौज़े पर
हाय कुरबान मैं तो जाउं - अपने वारीस के रौज़े पर

मैं तो दुनिया में फीर के आई - कहीं मन की मुरादें ना पाई
यहां देखो मैं सब कुछ पाउं - अपने वारीस के रौज़े पर

कैसी दुनियाँने है मुझको लुटी - और कीस कीस तरहांसे सताया
दिलके दुःखडे मैं जाके सुनाउं - अपने वारीस के रौज़े पर

रंग देखे बहोत से जहां में - कोई भाता नहीं मेरे मनको
जाके पीली चुंदरीया रंगाउं - अपने वारीस के रौज़े पर

मैं तो दुनियामें दर दर फीरी हुं - कोई मीलता नहीं है सहारा
सारी दुनिया को छोड के जाउं - अपने वारीस के रौज़े पर

दैरो काबे में सरको झुकाया - पर सुकुं मेरे दिलने ना पाया
अब ये सरको मैं जाके झुकाउं - अपने वारीस के रौज़े पर

दर्द जो मेरे दिलमें छुपा है - ना ईसे कोई जान पाया
''वारसी'' दर्द अपना दिखाउं - अपने वारीस के रौज़े पर

मनकबत
वारीसे पाक

सरकार मेरे वारीस नज़रे करम दोबारा
में फकीर हुं तुम्हारा में फकीर हुं तुम्हारा

झोली है मेरी खाली ईसमें भी डाल दीजे
ज़ेहरा अली और आका हस्नैन का उतारा

दुनियाँमें जी रहा हुं बस एक तेरे करम से
मेहशर में लाज रखना आकर मेरी खुदारा

कुरबां अली की खातीर खादीम अली का सदका
लील्लाह अब तो करदो हल्कासा एक ईशारा

कश्ती हमेशां उस्की तुफान से बची है
जीस वक्त जीसने तुमको वारीस मेरे पुकारा

जन्नत को देखने की वो क्युं करे तमन्ना
देवा की सरज़मीं का जीसने कीया नज़ारा

वो ताजदारे तैबा - ये ताजदारे देवा
उनका करम भी मुज पर और एक करम तुम्हारा

तुजे ''वारसी'' - जहां में कोई क्या दबा सकेगा
तेरे पीरने मुकद्दर तेरा खुद है जब संवारा

मनकबत
वारीसे पाक

आवो मेरे सरकार का दरवाज़ा खुला हे
दुनियाँ के वो गम ख्वारका दरवाज़ा खुला हे

दुनियाँ में जीसे देखीये नफरत ही मीली हे
आ जायें यहां प्यार का दरवाज़ा खुला है

आवो के चलो लुटलें हम प्यार मोहब्बत
वो ईश्क के मुख्तार का दरवाज़ा खुला हे

देखो के ज़माने को जहां भीख मीले रे
वो शाह के दरबार का दरवाज़ा खुला हे

तैबा हो के बगदाद हो कलीयर हो के संजर
देवा के भी सरकार का दरवाज़ा खुला हे

तुजको भी लगा लेंगे वो अपने गले से
दीलवाले वो दीलदार का दरवाज़ा खुला हे

बे खौफ चला जा वो हसीं प्यार के आगे
वो देख हसीं प्यार का दरवाज़ा खुला हे

हर शाहो गदा को जहां बीन मांगे मीला हे
वो शाह के दरबार का दरवाज़ा खुला हे

जीन फूलों से दुनियाँ ये महेक उठ्ठी हे सारी
वो ''वारसी'' गुलज़ार का दरवाज़ा खुला हे

मनकबत
वारीसे पाक

ये मुजको मरतबा हांसील हुवा हे सर झुकाने से
शउरे बन्दगी पाया हे उन्के आस्ताने से

जमानेभर को तो वारीस मेरे जल्वा दिखाते हो
तुम्हें क्या लुत्फ आता हे मेरे आंसु बहाने से

फरीश्ते आते हैं देखो तवाफे कुए जाना को
फरीश्ते झुमते जाते हैं उन्के आस्ताने से

लहद में ओर दुनियाँ में तो वो जल्वा दिखाते हैं
वो मेहशर में भी ना माने मुजे जल्वा दिखाने से

महकते फूल हैं कलीयां भी महेकी शाखें हरी झूमी
मेरे गुलशन में वारीस आपके तशरीफ लाने से

नशेमन की तुमने की निगेहबानी मेरे वारीस
ये बीजली दूर हे अब मेरे आशीयाने से

ना क्युं कुरबान जाए ''वारसी'' शाने करीमी पर
बरसता नूर देखा है जो उनके आस्ताने से

मनकबत
वारीसे पाक

एक तेरी मेरी जो भी मोहब्बत का भरम हे
ये मेरे तेरे देखले वारीस का करम हे

देख आया में दुनियाँ के सनम खानोको कीत्ने
पर सबसे जुदा गाना भला मेरा सनम हे

मनकबत
वारीसे पाक

उंचा मरतबा हे देखो मेरे सरकार का
सील सीला हे देखो येही एहमदे मुखतार का

फातमा के देखो दिलबर ओर अली के प्यारे हैं
ये ही हुसैनो हसन के देखीये दुलारे हें
दिल तो येही रखते हे अपने जां निसार का
सीलसीला हे देखो ये ही

वारीस सारी दुनिया तेरे नामकी दिवानी हे
नाम जीस्ने लीया उस्की दूर परेशानी हे
सबको भरोसा हे बस ईसी गमख्वार का
सीलसीला हे देखो ये ही

सुख में भी जो साथ रहे दुःख में भी वो साथ हे
मेरे आलम पनाह की देखीये क्या बात हे
ये ही एक सहारा हे दिले बेकरार का
सीलसीला हे देखो ये ही

दिल की ये तमन्ना हे दिल की ईत्नी हसरत हे
देवेवाले वारीस से मुजको तो महोब्बत हे
दिल तो हे तल्बगार उनके ही दिदार का
सीलसीला हे देखो ये ही

वारीस पे कुरबान जाओ आज सारे ''वारसी''
मेहशर में वारीस कहे आये हमारे ''वारसी''
कुछ ना पुछो हमको लोगो उनके अखतीयार का
सीलसीला हे देखो ये ही एहमदे मुखतार का

मनकबत
वारीसे पाक

तुम्हारे ईश्कने पहोंचा दीया कहाँ हमको
के निचा अर्श भी लगने लगा वहां हमको

सलाम करता हे झुक झुक के ये जहाँ हमको
खुशा नसीब मीला उनका आस्तां हमको

तुम्हारे दरपे मुकद्दर हमारा चमका हे
नसीब ले के फीरा हे कहां कहां हमको

ये हमतो गुलशने वारीस की देख बुलबुल हैं
के ऐसे घुर घुर के ना देख बागबां हमको

अजीब देखीये ये देखने का आलम हे
हम उस्को देखते हें ओर आस्तां हमको

में अपने पीर के कदमों में जब के आया हुं
खुदा करीब हे होने लगा गुमां हमको

जबीं पे मेरी ये मेहशर में देखो चमकेगा
तुम्हारे दरसे मीला हे जो एक निशां हमको

हज़ारों नझरें उठी हम जहाँ से गुज़रे हैं
तुम्हारे ईश्क ने ऐसा किया जवां हमको

ना फीकरे दुनियाँ ना उकबा की कर अरे नादां
संभाल लेंगे ये आका यहाँ वहां हमको

जुबां पे ‘‘वारसी’’ बस तेरी अच्छा लगता हे
सुना तुं हर घडी वारीस का बस बयां हमको

मनकबत
वारीसे पाक

जहां भरमें मेरे वारीस तेरी मुश्कील कुशाई हे
मेरी बीगडी हुई तकदीर भी तुने बनाई हे

मोहब्बत छुट जाये तेरी ये तो हो नहीं सकता
बडी मुश्कील से ये दौलत हमारे हाथ आई हे

मुकद्दर बन गया उस्का हर एक मुश्कील हुई आसां
जबीं जीस्ने तुम्हारे आस्ताने पर झुकाई हे

में राहे ईश्कसे पीछे हटुं ये हो नहीं सकता
मोहब्बत आपकी वारीस मुजे तो रास आई हे

भडकती हे ना बुजती हे अजब आलम हे क्या कहीये
ये तुमने आग दिलमें ईश्क की कैसी लगाई है

तेरे दरतक पहोंचना ये तो था दुश्वार नामुमकीन
तेरी चश्मे करम वारीस यहां तक खींच लाई हे

चलो तौबा को तोडें ''वारसी'' पीलें मए उल्फत
के रेहमत की घटा सरकार के रोज़े पे छाई है

मनकबत
वारीसे पाक

रुखसे परदे को झरा अपने हटादो वारीस
चांद से चेहरे को एक बार दिखादो वारीस

एक ज़र्रा हुं ज़मीं पर में पडा देखो तो
एक नझर डाल के मेहताब बनादो वारीस

में तो मोहताज तेरे दरका हुं आका मेरे
मेरी सोई हुई किस्मत को जगादो वारीस

मैने देखा है के गीरते भी संभल जाते हें
डुबती कश्ती मेरी पार लगादो वारीस

चाहने वाले तेरे दरपे पडे हैं आकर
सबकी बीगडी हुई तकदीर बनादो वारीस

ज़ीन्दगी में तो फक्त एक तमन्ना हे मेरी
अपना रौज़ा हमें एकबार दिखादो वारीस

''वारसी'' आपके दरपे भी चला आया हे
जाम ईसको भी महोब्बत का पीलादो वारीस

मनकबत
तरही मुशायरा

कील्बए एहले नज़र हे आस्ताना आपका
सारी दुनिया जानती हे ये ठीकाना आपका

आपके दरपे जो आया झोली उसकी भर गई
देखो सारे खा रहे हें दाना दाना आपका

धुम हे सारे जहां में हर कोई है जानता
पंजतन से मीलता हे देखो घराना आपका

सर बुलंदी का मेरी क्या जानेगा कोई मकाम
मुजको अपने कदमों से देखो लगाना आपका

रुबरु था आपका चेहरा नज़र के सामने
आज तक भुला नहीं में मुस्कुराना आपका

कभी काबा कभी तैबा कभी देवा में देखा हे
हम भी देखो जानते हें आना जाना आपका

हर कीसी के दीलमें हे देखो अकीदत आपकी
हर कीसी के दीलमें हे देखो ठीकाना आपका

में ये दावे से हमेशां देखीये केहता रहा
हाल माज़ी ओर मुस्तकबील ज़माना आपका

डुब जाता में बुराई के समंदर में कभी
जानता हुं डुबनेसे वो बचाना आपका

प्यार से रेहना हमेशां आपका पैगाम था
ज़ीन्दगीभर हम ना भुलेंगे तराना आपका

आपके लब पे हमेशां प्यार का पैगाम था
नफरतों को प्यार से था बस मिटाना आपका

सारी दुनिया को पता हे आपकी ईस बात का
दोस्त दुश्मन को गले से था लगाना आपका

''वारसी'' को बीन मांगे सब कुछ दे दीया हे आपने
ये तरीका ये सलीका ढंग पुराना आपका

मनकबत
वारीसे पाक

दिल को क्या तुजसे महोबत हो गई
ज़ीस्त मेरी बेश कीमत हो गई

शेखको बस ईसपे नफरत हो गई
मुजको क्या बुत से महोबत हो गई

अब जहां से मुजको नफरत हो गई
ऐसी कुछ तुमसे मोहब्बत हो गई

आपही हें अब मेरे मुश्कील कुशा
आप से ऐसी अकीदत हो गई

ईश्क आखीर काम अपना कर गया
मेरी सुरत उनकी सुरत हो गई

आपको हर ज़र्रे में देखा करे
मेरे दिलकी ये ही हसरत हो गई

''वारसी'' शादाब है आबाद है
उसपे वारीस की ईनायत हो गई

मनकबत
वारीसे पाक

शाहे वारिस मोहब्बत सलामत रहे
आका वारिस की निस्बत सलामत रहे

शाहे वारीस मेरी ईतनी है ईल्तीजा
ईस तरहां ये उल्फत सलामत रहे

हर सुबह शाम तुजको युं सजदे करुं
मेरे वारीस ये आदत सलामत रहे

आपके नाम से दिल को राहत युं ही रहे
ये मेरे दिल की राहत सलामत रहे

मेरी निस्बत ये वारीस तुम ही तक रहे
दुआवों की ये आदत सलामत रहे

सो सो बार बलायें लेंगे वारीस तेरी
देवा आने की हसरत सलामत रहे

कुछ रहे या ना रहे ईसकी परवाह नहीं
ईश्क की ईनकी दोलत सलामत रहे

छुटती हे ये दुनिया तो छुटे मगर
शाहे वारीस की उल्फत सलामत रहे

जो भी होता हे होवे होता रहे
''वारसी'' वारसियत सलामत रहे

मनकबत
वारीसे पाक

केहती हे ज़मीं केहता हे गगन
मेरे वारीस है अनमोल रतन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

दर दर में फीरा सबको देखा कीया
सब से आला हे वारीस का चलन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

हर एक घडी लम्हा - लम्हा
तेरे नामकी दीलमें हे धडकन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

हर सांस के तारों में बाजे
वारीस नामकी तेरे एक सुमरन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

तुं आले नबी औलादे अली
तुजमें फातेमा भी हुसैनो हसन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

तुं आला से भी आला हे
तेरी ज़ात में शामील हे पंजतन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

वारीस आते हें ओर आयेंगे
आवो वारदो सखीयां सब आंगन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

में तो ईश्के वारीस में जवान हुई
कहाँ बीत गया मेरा बचपन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

सारी दुनिया में ना कोई कर पाया
तुने जीत लीया हे ईश्क का रंन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

मेरे वारीस की देखो आमद से
देखो महेक उठा सारा आंगन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

सारी दुनिया कहे तुमको वारीस
हर दीलको कीया हे तुने मगन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

मैं काबा काशी क्युं जाउं
मुझे काफी हे तुमरे चरनन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

खुद रेहमते बारी देखेगा
जब वारीस से होगा मेरा मीलन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

मेहशर की फिक्र क्युं में करुं
जब मेरे हुवे हें वारीस सजन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

हिन्दु मुस्लीम शीख ईसाई
हे सबको वारीस तेरी लगन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

कोई फूल नहीं वारीस की तरहा
में तो ढुँढ फीरी गुलशन गुलशन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

जीसे आला कहा वो आला हुवा
जो बात करे गर तेरा दहन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

वारीस का तसव्वुर वारसी कर
सब जाता रहेगा सुनापन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

हे "वारसी" तुजपे भी पडती
देवा की वो नुरानी कीरन
मेरे वारीस के जैसा कोई नहीं

मनकबत
वारीसे पाक

एहले बैतसे दीं आबाद हर दीलमें तुम्हारी याद
मेरे वारीस ज़ीन्दाबाद

दुखीयोंने जो चाहा पाया, हर कोई जोली भर लाया
ज़ेहरा अली हस्नैन का जाया, आले नबी हर कौम को भाया
ऐसा ना देखो कोई आया - जो सबकी सुने फरीयाद
मेरे वारीस ज़ीन्दाबाद

हीन्दु मुस्लीम शीख ईसाई, ईस दर के हें सारे गदाई
ऐसी कीस्मत कीसने पाई, देवा तक जो करे रसाई
वारीस के दर जबीं झुकाई, हर कौम यहां पे शाद
मेरे वारीस ज़ीन्दाबाद

ज़ेहरा अली हस्नैन का सदका, आपके दर से लुंगा दाता
आप सखी सरकार हें आका - जो हर सवाली के मन भाता
खाली ना कोई मंगता जाता - मंगता करते याद
मेरे वारीस ज़ीन्दाबाद

चौखट उनकी कीत्नी आली, मैने अपनी जबीं झुकाई
ऐसी उनकी शान नीराली, मनकी मुरादें पाये सवाली
बीगडी कीस्मत मैने बनाली, हो गया में आबाद
मेरे वारीस ज़ीन्दाबाद

चम चम चमके कलस सुन्हेरा, गुम्बद पे हे चांद का पेहरा
रबने ऐसा नुर बीखेरा, नुरानी देवे का सवेरा
कोई नहीं हे सानी तेरा, दील से करे हम याद
मेरे वारीस ज़ीन्दाबाद

जो कुछ हे वारीस की अता हे, जो मांगा हे वही दीया हे
शुक्र खुदा का दीलने कीया हे, सदक ए पंजतन में लीया हे
जो भी मीला वारीस से मीला हे, वारसी हो गया शाद
मेरे वारीस ज़ीन्दाबाद

अबुल हसन सरकार का सदका, मेहमुद शाह दरबार का सदका
मुनिर शाह के प्यार का सदका, हैदर मझहर यार का सदका
''वारसी'' की नीस्बत में लाये युसुफ ओर गुलशाद
मेरे वारीस ज़ीन्दाबाद

मनकबत
वारीसे पाक

पुछो ना हमें देखो वो क्या नज़र आता हे
देवे में मदीने का नकशा नज़र आता हे

वारीस के जो चेहरे पे जब मैने नज़र डाली
सरकारे दो आलम का जल्वा नज़र आता हे

जो मांगे मीले उस्को दामन को जो फैलाये
दुनियाँ में गरीबों का दाता नज़र आता हे

ज़ेहरा का दुलारा हे हस्नैन का प्यारा हे
ये मौला अली का तो पोता नज़र आता हे

तैबा की बहारों का आता हे लुत्फ मुजको
वारीस का मेरे जब भी रौज़ा नज़र आता हे

हस्नैन का सदका तो हर कौम ले आती हे
चौखट पे वो वारीस की बटता नज़र आता हे

दुनियाँ के शहेनशाह भी आते हें सलामी को
हर दौर के हाकीम का दाता नज़र आता हे
अय ''वारसी'' - वारीस का एक तुही नहीं शयदा
दुनिया का हर एक ईन्सां झुकता नज़र आता हे

झंडा मेरे वारीस का

दुनियाँ में हर सीम्त हे फैला - झंडा मेरे वारीस का
अच्छों से भी अच्छा देखा - झंडा मेरे वारीस का

ईस्के साये में तो देखो अम्नो सुकुन राहत है
ईस्के साये में तो बस उनवाने महोबत हे

ईस्के साये में जो आये मनकी मुरादे पा जाये
ईस्के साये में तो देखो अबरे रेहमत छा जाये

रेहमत से मेहरुम नहीं हे मंगता मेरे वारीस का
दुनियाँ में हर सीम्त हे फैला झंडा मेरे वारीस का

देखो देखो ईस चौखट पर प्यार लुटाना वारीस का
आवो देखो छोटे बडों को दील से लगाना वारीस का

एक मुजसे ही क्या हे मतलब सारा ज़माना वारीस का
नाज़ कर कीस्मत पे अपनी तुजको बुलाना वारीस का

किस्मत से हे जीस्ने देखा जाकर रौज़ा वारीस का
दुनियाँ में हर सीम्त हे फैला झंडा मेरे वारीस का

दुनियाँ में सरकार का झंडा जीस दीन से लेहराता है
रब के करम से आठों पहर वो रेहमत ही बरसाता है

प्यारे नबी की आलम का वो दर सब के दीलको भाया हे
देवा में लेहराता झंडा पंजतन का साया हे
फैज़ का वो बेहता हे दरीया झंडा मेरे वारीस का
दुनियाँ में हर सीम्त हे फैला झंडा मेरे वारीस का

मनकबत
वारीसे पाक

गुलशने पंजतन का गुलाब
खुदा की रेहमतों का शबाब
जहाँ में वारीस लाजवाब

हैदर के लाडले हें वो जाने बतुल हें
दुनियाँ तमाम केहती हे आले रसुल हें
जहाँ में वारीस लाजवाब

आलम पनाह का लकब क्या खुब पाये हें
कुरबां अली के लाडले हर दील को भाये हें
जहाँ में वारीस लाजवाब

तस्लीमो रज़ा की हर एक राहों पे छाये हें
रुत्बा फकीरी जब मेरे सरकार पाये हें
जहाँ में वारीस लाजवाब

मंगतों के लीये जीनका करम आम हो गया
जीस्ने भी था वारीस कहा बस काम हो गया
जहाँ में वारीस लाजवाब

वक्ते नमाज़ नमाज़ में क्या क्या दीखा दीया
सारे नमाज़ीयों को मदीना दीखा दीया
जहाँ में वारीस लाजवाब

दुखीयों के बेकसों के सहारे मेरे वारीस
हर कौम जाके दर पे पुकारे मेरे वारीस
जहाँ में वारीस लाजवाब

तबलीगे दीन आपने वो कर दीखाई हे
जाकरके अमेरीका में अज़ां भी सुनाई हे
जहाँ में वारीस लाजवाब

मौला अली के आप भी एक जांनशीन हें
मांगे से पेहले देना ये आदत हसीन हे
जहाँ में वारीस लाजवाब

मनकबत
वारीसे पाक

आज यहां हर शख्स को देखो वारीस का दीवाना हे
शम्ए मोहब्बत देखो जली तो रकस में हर परवाना हे

उन्का करम हे मुजपे देखो उन्का करम बस रेहता हे
उन्की गली में रोज का देखो मेरा आना जाना हे

जोली को फैलाये खडा हुं उनसे सब कुछ लैने को
उन्के दर से आज मुजे तो हर मकसद को पाना हे

उनकी देखो दैन हे मुजको उनकी देखो ईनायत हे
मेरे तसव्वुर में हर वक्त उनका आना जाना हे

डग मग डोलुं होंश गवाउं ऐसा कभी ना हो पाये
हाथमें मेरे देखे कोई वारीस का पैमाना हे

वारीस के एहसान है हम पे वारीस अपना दाता है
''वारसी'' सब खाते हें जीस्को उनका दाना दाना हे

मनकबत
मेरा वारीस महान

मेरा वारीस हे महान - जीस्का सारा हे जहाँन
जीस्पे हम सब का ईमान - जीस्के घरका हे कुरआन
मेरा वारीस हे महान

ज़ेहरा का ये देखो दिलबर - ओर अली का प्यारा हे
ये तो हसन का देखो जानी - और हुसैन का न्यारा हे
ये तो नबीकी आंख का तारा - पंजनत की जान
मेरा वारीस हे महान

राजे और महाराजे आकर - जोली को फैलाते हें
वारीस की ईस चौखट पे तो - मनकी मुरादें पाते हें
सफ में देखो आके खडे हे - दुनिया के परधान
मेरा वारीस हे महान

युरोप ओर एशीया में - प्रेम की जीस्ने बात सुनाई
भटके हुवे लोगों को जीस्ने - ईश्क की देखो राह दिखाई
प्रेम प्यार और ईश्को महोबत जीस्का हे ऐलान
मेरा वारीस हे महान

गर्द दलदल पैरों में ना - जीस्को देखो लगता था
नकशे पा ना चांदनी पे - जीस्के देखो पडता था
दुनियामें सबसे आला - वारीस की ही शान
मेरा वारीस हे महान

ईश्के जंगल का वो तो - शेरे बबर केहलाता हे
ओर फरीश्तों की बातों को बैठे सुनता जाता है
ईस्मे आज़म नाम हे जीस्का वारीस हे बलवान
मेरा वारीस हे महान

मनकबत
वारीसे पाक

मुजे तुमने दीया है प्यार - में क्या बोलुं सरकार
एक तुम हो मेरे गमख्वार में क्या बोलुं सरकार

लो छोड दीया मैने दुनियाँ की हर एक शेह को
लो छोड दीया घरबार में क्या बोलुं सरकार

हर दुःख में हर सुख में तुम साथ रहे मेरे
तुम सामने हो हरबार में क्या बोलुं सरकार

मय प्यार की पी बैठा है जीस्का नशा ऐसा
तेरे ईश्क का ऐसा खुमार में क्या बोलुं सरकार

दिल मैने दीया तुमको दिल तुमने दीया मुजको
नहीं ईस्में कोई तकरार में क्या बोलुं सरकार

ये दिल भी तुम्हारा हे ये जां भी तुम्हारी हे
ये दिल का मेरे ईकरार में क्या बोलुं सरकार

मैने सुध बुध सब खोई ना रातों को सोई
तुमने मारी नज़र की कटार में क्या बोलुं सरकार

तेरे प्यार में खुशीयां हे तेरे प्यार में है सब कुछ
बेकार हे ये संसार में क्या बोलुं सरकार

जो गुल ये महेकता हे हर शाख पे देखो तो
तेरे गुलशन की वो बहार में क्या बोलुं सरकार

एक तेरा सहारा हे एक तेरा भरोसा हे
है मेरा तो बेडा पार में क्या बोलुं सरकार

एहसान तेरे मानुं में अपना तुजे जानु
एक तुम्ही मेरे सरकार में क्या बोलुं सरकार

तु ऐसा दाता है ऐसा तो नहीं कोई
देता हे सो सो बार में क्या बोलुं सरकार

हर एक तमन्ना को हे पुरी करी तुमने
हे ''वारसी'' तुम पे निसार में क्या बोलुं सरकार

मनकबत
वारीसे पाक

ये कीत्ला खुब सुरत वारीस का आस्ताना
हे बे चैन दीलकी राहत वारीस का आस्ताना

है मरकज़े मोहब्बत वारीस का आस्ताना
सब पे करे ईनायत वारीस का आस्ताना

वारीसने मेरे मुझको सब कुछ अता कीया हे
दीनो जहाँ की दौलत वारीस का आस्ताना

दीलमें ईसे में रखलुं या आंखो में बसालुं
दीलको येही हे हसरत वारीस का आस्ताना

हर ईश्क का पुंजारी ये दील से केह रहा है
ईसकी रहे बस नीस्बत वारीस का आस्ताना

हर एक कदम यहाँ पर मीलता हे चैन देखो
हर दील की देखो राहत वारीस का आस्ताना

ऐसा हसीन मन्ज़र देखा नहीं कहीं पर
दुनियाँ में खुब सुरत वारीस का आस्ताना

तुं नातवां अगर हे कमजोर तेरा दील हे
देगा तुजे ये हिंम्मत वारीस का आस्ताना

जो देख तुं रहा हे अपनी नज़र से प्यारे
ये प्यार की बदौलत वारीस का आस्ताना

हे "वारसी" उठाया हर बोज मैने गम का
देता हे मुजको ताकत वारीस का आस्ताना

मनकबत
जश्ने वारीसे पाक

मुबारक हो मेरे वारीस पीया का जश्ने आली हे
जमाना जानता हे शान वारीस की नीराली हे

तुजे मील जाएगा सब कुछ चला जा दरपे वारीस के
शहेनशाह भी ज़माने के जहां देखो सवाली हे

में चुमुंगा लबों से ओर आंखो से लगाउंगा
मदीने की तरहा वारीस तेरे रोज़े की जाली हे

बुलंद ईस वास्ते सर हो गया मेरा ज़माने में
तेरी चौखट पे अय वारीस जबीं मैने झुकाली है

मेरा गमसे भी अबतो वास्ता पडता नहीं देखो
मेरे गम की कहानी जबसे वारीस को सुनाली हे

मुकद्दर छु रहा हे देखो मेरा अर्शे आज़म को
मेरे वारीस की चादर मैने जो सर पे उठाली है

ऐ वाईज़ तुं पडा हे बस हमेशां शीर्को बीदअत में
जबीं मैने मेरे वारीस के कदमों में झुकाली हे

चले आते हें उड उडके जो हर जानीबसे परवाने
शम्आ आलम पनाहे नाम की जब से जलाली हे

हर एक शक्स को देहली पे तेरे झुकते हुवे देखा
तेरी वो शान आली हे तेरी वो शान आली हे

मोहब्बत की तेरे दरसे मुजे दौलत मीली वारीस
मोहब्बत आपकी मैने ईसी दरसे कमाली है

कोई अब देख ना पायेगा तुमको ऐ मेरे वारीस
निगाहों में तेरी तस्वीर को हमने छुपाली हे

तुम्हारा ''वारसी'' कुरबान जाये आप पे आका
मोहब्बत की जो मंज़ील आपके रौझे से पा ली हे

मनकबत
वारीसे पाक

सब कुछ तुजको मील जाएगा वारीस पीया के दुवारे चल
राह में मुश्कील ना आयेगी उन्के एक सहारे चल

उन्का करम गर हो जाये तो तुजसा जहाँ में कोईना होगा
शामो सहर एक वारीस ही को अपने देख पुकारे चल

उन्को वारीस केहते हें कश्ती के रहेंगे साथ तेरे
बीच समंदर चल तु फीर या उसके देख कनारे चल

ईश्क की मंज़ील आसां होगी अपनी मंज़ील पायेगा तु
तुजको मंज़ील तक हे जाना उनके देख ईशारे चल

उनका तसव्वुर करते रेहना सामने तेरे आ जायेंगे
पल पल उन्की याद में रेहकर अपनी उम्र गुजारे चल

ख्वाजा हुवे हें हिन्द वली आलम पनाह हें वारीस मेरे
मेरे दील ना गभराना तुं बस उनके ही सहारे चल

वारीस का दिदार है करना गर मीलना हे वारीस से
‘‘वारसी’’ वारीस मील जायेंगे आज तुं साथ हमारे चल

मनकबत
वारीसे पाक

यादों में उनकी गुज़रे हर लम्हे ज़ीन्दगी के
सीखे यहीं से हमने आदाब बन्दगी के

वाबस्ता हो गये हें जो उन्के दरसे देखो
क्या मरतबे बलंद हे देखो उस आदमी के

वारीस की ये ईनायत वारीस का ये करम हे
दीन रात कट रहे हें मेरी हसीं खुशी के

रहमत बरस रही हे हरसु तेरे नगर में
क्या मरतबे बयां हो वारीस तेरी गली के

वारीस के आस्तां की जो रोशनी हे देखी
हम भुल ना सकेंगे मन्ज़र वो रौशनी के

जो चाहा वो दीया है क्या शान से बुलाया
लो ये करम है यारो देखो अभी अभी के

‘वारीस’ ने फीर ईनायत देखो करी हे उसपे
अंदाज़ आजीज़ी के देखे जो ‘‘वारसी’’ के

मनकबत
वारीसे पाक

वो जहां में उसे हर गमसे छुपा देते हैं
मेरे वारीस जीसे दामन ने जगा देते हैं

जीस्की जानीब वो नझर अपनी उठा देते हैं
उसकी बीगडी हुई तकदीर बना देते हैं

जब से देखा हे उन्हें अपना मुजे होश नहीं
जाने क्या चीझ वो नज़रों से पीला देते हैं

हम फकीरों को भी कुछ हुस्न की खैरात मीले
जो सखी होते हे वो राहे खुदा देते हैं

एक दीन ऐसा भी आता हे मोहब्बत में जुरुर
खुद वो गभराके नकाब अपना उठा देते हैं

अपने दामन को ज़रा हमसे बचाये रखना
सर्द आहों से भी हम आग लगा देते हैं

दील जला कोई ज़माने में अगर मीलता हे
‘‘वारसी’’ ईश्क की कुछ बात सुना देते हैं

एहराम - शरीफ

दुनियाँवालो देखो आवो शाहे वारीस का एहराम आया
राहों में आखों को बीछावो - शाहे वारीस का एहराम आया

मेहशर उकबा देखो तुम्हारी जन्नत भी ईसके नीचे
ईसके साये में आ जावो - शाहे वारीस का एहराम आया

दिलकी तमन्नायें जीत्नी हे - ईसपे करदो आज निछावर
ईसको अब आंखो से लगावो - शाहे वारीस का एहराम आया

वारसी तेरे पीर हें कामील - सारी दुनिया ये ही केहती हे
तुम भी ईसपे वारी जावो - शाहे वारीस का एहराम आया

हुरो गील्मां देखो फरीश्ते साथ में केहते चलते चलते
केहते हें ये केहते जावो शाहे वारीस का एहराम आया

जो कुछ भी हे तुमको लेना चुंम के ईसको सब कुछ लेलो
दुनियाँ को ये बात बतावो शाहे वारीस का एहराम आया

कुरबान अली के हें ये प्यारे मौला अली के राज दुलारे
आवो ईन पे कुरबां जावो - शाहे वारीस का एहराम आया

''वारसी'' तेरे पीर हें कामील सारी दुनिया ये केहती हे
आवो तुम भी सर पे उठावो शाहे वारीस का एहराम आया

गागर - शरीफ

मेरे वारीस पीयाकी गागर हे
सब के मुश्कील कुशा की गागर हे

जीनको हमने सरों पे आज रखा
ये तो शेरे खुदाकी गागर हे

ईसपे कुरबान आज हो जाओ
ये तो माहे लकाकी गागर हे

ईसके साये में बखशे जायेंगे
ये मेरे रेहनुमाकी गागर हे

सब अकीदत के फूल बरसावो
हाजी वारीस पीयाकी गागर हे

ये ही बखशीस का एक सहारा हे
ये मेरे पेशवा की गागर हे

शाहे वारीस तुम्हें मुबारक हो
ये तेरे दिलरुबा की गागर हे

आवो सब "वारसी" चले आवो
अपने पीरे मुगां की गागर हे

-: मुसन्नीफ की ईशाअतें :-

१. यादे हुसैन

२. जश्ने विलादत - जन्नत की सनद

३. करम की बहार

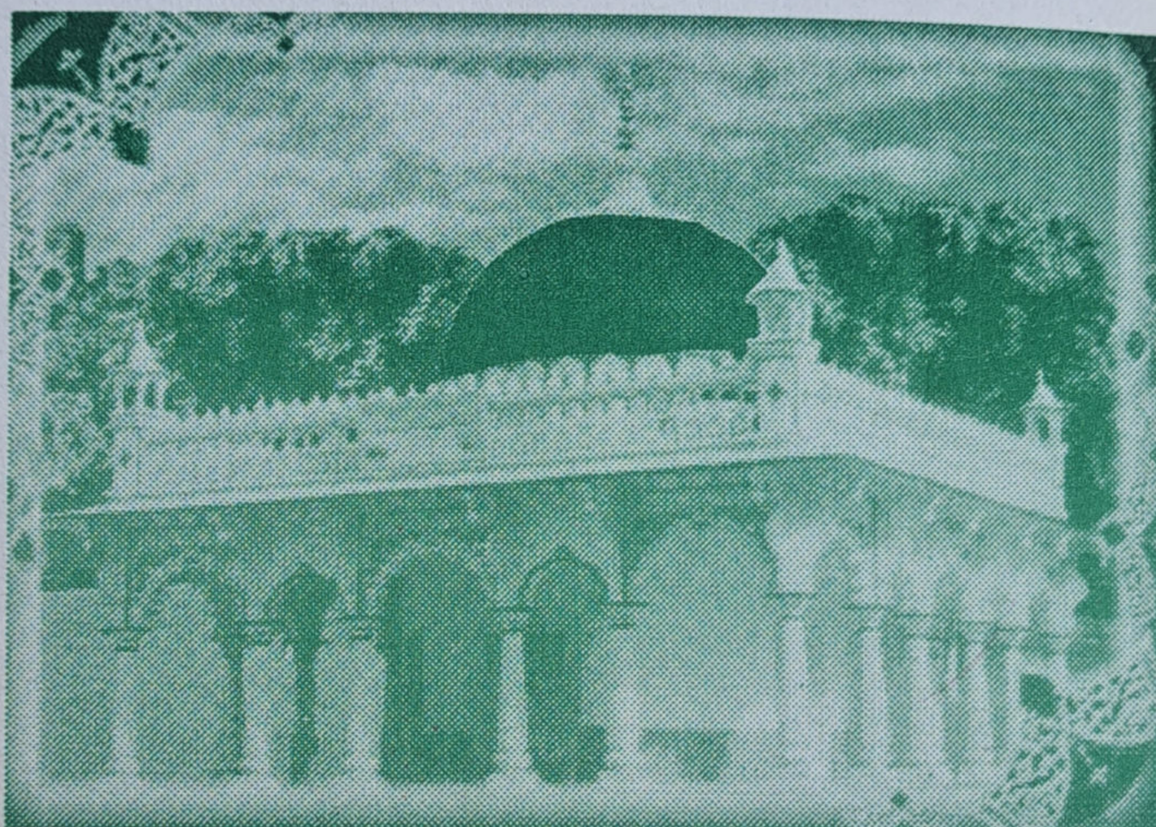
४. बचपन का प्यार

५. ईश्के हुसैन

६. मदीने की बहार

७. बहारे वारीस

अली हैदरका रौज़ा है के है मयखाना वारीस का
महोब्बतवाले पीते रहेते हैं पयमाना वारीस का



रौज़ा मुबारक

हज़रत हाजी अली हैदरशाह 'वारसी'

पेटलाद शरीफ

(जी. आणंद)